

मेरा वतन

क्या से क्या हो गया,
मुल्क जो बट गया

क्यों भला मुल्क के टुकड़े दो हो गये,
चाहिए थी ये कैसी आजादी
सेकड़ो थे उधर, आ गए वो इधर
हजारों थे यहाँ, चल पड़े वो वहाँ.

भाई भाई जो थे वो दुश्मन बन गए,
मीट गई दोस्ती, हो गई दुश्मनी
और फना हो गया प्यार का सिलसिला
भाई चारा मीट गया
मुल्क जो बट गया.

हर तरफ खोफ का माहोल था,
लूट गए कितने घर, कितने घर जल गए
लूट गई किस्मते, आबरु और इज्जते
खो गई बेटियाँ, बहन और भाई.

आसमान कांप उठा
मुल्क जो बट गया.

लूट गई खेतियाँ, महेल और कोठियां
कितने फूले फले गुलिस्ताँ लूट गए
जिन्दगी हर घड़ी मौत सी बन गई
आलमे बेबसी, आलमे बेरुखी

वो दिन कयामत सा था,
मुल्क जो बट गया.

इसीलिये, मैं कहती हूँ

प्यार बोलो प्यार बांटो प्यार से जिया करो,
नफरतों की बात छोड़ो मील के जीना सीख लो.

हम हो हिन्दू वो मुसलमान वो इसाई हो तो क्या,
सबसे पहले हम हैं हिन्दी ये हकिकत जान लो.

प्यार बोलो प्यार बांटो प्यार से जिया करो,
सूफियों का साधुओं का संतो का हैं ये वतन.

राम का गौतम का नानक का और चिश्ती का चमन
एकता अपनी यकीनन मान हैं, सम्मान हैं.

जात और मजहब की लड़ाई बिलकुल बेकार है,
प्यार बोलो प्यार बांटो प्यार से जिया करो

Misbah Pathan
BA SEM -6

माँ साथ हो तो सायाए कुदरत भी साथ है,
माँ के बगेर लगे दिन भी रात है.

बच्चों के सीतम उसे हस के कुबुल है,
बच्चों को बखश देना ही माँ का उसुल है.

दिन - रात उसने पाल पोस के बड़ा किया,
गिरने लगी तो माँ ने मुझे फिर खड़ा किया.